Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 27-07-2006

Participants : Singh Kunwar Rewati Raman,Malhotra Prof. Vijay Kumar,Aditya Nath Shri ,Tripathy Shri Braja Kishore,Mukherjee Shri Pranab,Aditya Nath Shri

an>

Title : Regarding reported infiltration of militants in Armed Forces.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, आप मिनिस्टर साहब को बीच में खड़ा न होने के लिए बोलिये।

अध्यक्ष महोदय : आप उसे छोड़िये।

...(व्यवधान)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, this is not the way. The Ministers are standing in the aisle.

MR. SPEAKER: Yes, they should not be. It should be followed on all sides. There should be no mutual discussion or meeting there. All discussions should be outside this House please.

… (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ध्यान बहुत ही महत्वपूर्ण विाय जो देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक है, उस ओर दिलाना चाहता हूं। कल और आज के समाचार पत्रों में ये बातें छपी हैं कि the Army has detained three of its personnel for their suspected links with the *Lashkar-e-Taiba*. Police have arrested two constables on the charge of working as couriers for the outfit. All the five are said to be part of the group. Nearly a dozen people, including three policemen and a manager of a BSNL franchise, have been arrested. A hunt is on for a female who went underground after the module was busted. The two Armymen, who have been picked up hail from Gursai in Poonch district and their names were so and so and they have been working for the last three years and seven months for *Lashkar-e-Taiba*. Three Armymen have been detained for questioning over alleged militant links.

ऐसी बहुत सी बातें समाचार-पत्रों में छपी हैं। श्री एम.के. नारायणन, जो राट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं, उन्होंने पहले ही पत्र लिखकर सारे देश को, मुख्यमंत्रियों को सावधान किया था। हमारे लीडर ऑफ दी हाउस और डिफेंस मिनिस्टर ने यहां पर उस दिन कहा कि हमने जांच की है और जांच में यह सही नहीं पाया गया।

अध्यक्ष महोदय, लश्कर-ए-तैयबा के लोग जो सेना में इतने महीनों से काम कर रहे थे, उन्हें सेना ने पकडा और उनके बारे में स्पट तौर पर सूचना दी। यह देश के लिए बहुत खतरनाक मामला है। प्रधान मंत्री जी ने कहा कि लश्कर-ए-तैयबा देश में बम विस्फोटों के लिए जिम्मेदार है। सिमी और लश्कर-ए-तैयबा के लोगों पर देश भर में नजर रखी जा रही है। उनका सेना में प्रवेश कर जाना और सेना में लगातार काम करते रहना बहुत ही खतरनाक है। यहां श्री शिवराज पाटिल और श्री जायसवाल जी ने कहा कि वे सेना के जवान न होकर राट्रीय राइफल्स के जवान थे। क्या सेना और अर्द्ध सैनिक बलों में कोई अंतर है ? सेना, अर्द्ध सैनिक बलों या वहां पर काम करने वाले पुलिस मैनों में लश्कर-ए-तैयबा के लोगों का प्रवेश करना देश के लिए बहुत खतरनाक है। यह भी लिखा है कि उनको पहले एंटी टेरोरिस्ट कामों में भी लगाया गया था। जिनके जिम्मे टेरोरिज्म को रोकना था, वही उनके साथ शामिल हों, तो आप समझ सकते हैं कि टेरोरिज्म कैसे नहीं फैलेगा। हमारा कहना है कि ऐसी गंभीर बात पर यहां पर वक्तव्य दिया जाये और उस पर बहस की जाये। उस बहस में इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, दूसरा समाचार बहुत ही महत्व का है। असम के मुख्यमंत्री ने यह बात कही है कि हमारी दो किलोमीटर जमीन ... (व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : अध्यक्ष महोदय, क्या यह एक मामला उठाने के बाद दूसरा मामला भी उठायेंगे? ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is a related matter. I will call you later.

... (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, भारत की दो किलोमीटर जमीन बंगलादेश ने गायब कर ली है। यह असम के मुख्यमंत्री ने कहा है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: That is a different matter.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, we have not made the charge. The Minister of Assam is making the charge. The Prime Minister is here. ... (*Interruptions*) हिन्दुस्तान की जमीन बंगलादेश ले जाये और वहां अपनी बॉर्डर फोर्स बढ़ा दे और सरकार सोई रहे और इस पर कोई चिंता प्रकट न करे, कोई वक्तव्य न दे। ...(व्यवधान[p13])

यह स्पट होना चाहिए कि हमारे देश की दो किलोमीटर जमीन गयी है या नहीं गयी है और उस जमीन का क्या हुआ? यहां पर लीडर ऑफ दि हाउस और प्रधान मंत्री जी भी हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइए। यह क्या हो रहा है?

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: What is this going on?

... (*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK (AHMEDABAD): Sir, this is a very serious matter concerning our country. ... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Your own leader is speaking, and you are interrupting him.

... (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : असम के एक मंत्री ने ऐसा कहा है।...(व्यवधान) One of the Ministers from Assam has made this statement, and he has raised this very serious matter. The position of the Government on both these serious matters should be clarified in this House. ... (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : महोदय, एक ही माननीय सदस्य दो विाय कैसे उठा सकते हैं?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इसे मैं देखूंगा, आप बैठिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Next Member to speak is Shri Rewati Raman Singh.

… (*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK : Sir, how can he say this? … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will look into it. It is not your jurisdiction. It is my jurisdiction.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will decide about it. Why are you bothered?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Only Shri Rewati Raman Singh's observations are to be recorded.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: Mr. Malhotra, why are you getting upset? I have not deleted your observations, and they are on record. Anybody may comment, but I have not deleted it from the records. Why are you getting upset?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Will everybody in this House be of the same view on a matter? Let us listen to Shri Rewati Raman Singh. He is a senior Member of this House.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The hon. Prime Minister is also here to make a statement on a very important issue.

… (*Interruptions*)

श्री रेवती रमन सिंह : माननीय अध्यक्ष जी, अभी मल्होत्रा साहब ने सदन में एक अच्छी परम्परा स्थापित की है कि एक साथ कई मामले उठाए जा सकते हैं। मैं आपसे आग्रह करूंगा कि भविय में भी इस तरह की परम्परा के लिए रूलिंग देने की कृपा करें।

मान्यवर, लश्कर-ए-तोयबा का जो मामला उन्होंने उठाया है, इसे देखने का उनका एंगल दूसरा है, लेकिन मैं दूसरी बात कहना चाहता हूँ कि श्री आर.के. नारायणन ने आज से आठ महीने पहले एक पत्र लिखकर भेजा था जिसमें उन्होंने आशंका व्यक्त की थी कि ऐसी इनफिल्ट्रेशन हो रही है। मुझे जहां तक याद है, रक्षामंत्री जी ने इससे डिनाई किया था। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए, चिल्लाइए मत।

...(व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह : महोदय, माननीय रक्षामंत्री जी ने उससे डिनाई किया था और कल राज्यसभा में माननीय गृहमंत्री श्री शिवराज पाटिल जी ने कहा…(व्यवधान)

---

* Not Recorded

MR. SPEAKER: Please do not refer to it. You are a very senior Member of this House, and you know it.

… (*Interruptions*)

SHRI ADHIR CHOWDHURY (BERHAMPORE, WEST BENGAL): Sir, the hon. Defence Minister had denied this in the House regarding the Air Force. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No, please take your seat.

… (*Interruptions*)

श्री रेवती रमन सिंह : माननीय गृहमंत्री श्री शिवराज पाटिल जी ने कहा कि वे लोग मिलिटरी में नहीं है, बल्कि अर्द्ध सैनिक बल में हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि यह एक गंभीर प्रश्न है और इस तरह से दोनों मंत्रियों के बयान में विरोधाभास है। मैं इस गंभीर मामले में आपसे यह अनुरोध करूंगा कि आप रक्षामंत्री जी को सदन में इस विाय पर बयान देने की कृपा करें।

MR. SPEAKER: Next Member to speak is Yogi Aditya Nath.

… (*Interruptions*)

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, सेना के सम्बन्ध में राट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री नारायणन जी ने आशंका व्यक्त की थी। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please do not raise your hands. I will only call the names of those hon. Members who have given notices.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No, nothing will be recorded.

*(Interruptions)** ...

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): Sir, it is a very serious matter. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Tripathy, please take your seat. You are the leader of a party. Please do not disturb the House.

… (*Interruptions*)

*Not Recorded

अध्यक्ष महोदय : यह आपको शोभा नहीं देता है।

...(व्यवधान)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY: Sir, the Defence Minister had categorically denied about this issue in this House only day-before yesterday. … (*Interruptions*) The hon. Prime Minister is also sitting here in the House. The Government should come forward with a response on this issue, as it is a very serious matter. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seat. I have called an hon. Member of this House to speak.

… (*Interruptions*)

प्रो. राम गोपाल यादव (सम्भल) : महोदय, मंत्री जी इस विाय पर बयान देने के लिए तैयार हैं।

MR. SPEAKER: Hon. Members, please do not raise your hands. I am only calling those hon. Members who have given notices. I cannot convert this into a discussion.

… (*Interruptions*)

योगी आदित्यनाथ : महोदय, हम लोग परसों इसी सदन में मुंबई चर्चा कर रहे थे और उस समय सेना से सम्बन्धित बातें जब यहां पर उठी थीं तो माननीय गृहमंत्री जी ने उन्हें एक सिरे से नकार दिया था।

महोदय, यह सरकार राट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। सेना जैसे गंभीर विाय, राट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को जिस हल्केपन से लिया जा रहा है, वह एक खतरनाक प्रवृत्ति है और आतंकवादी संगठनों को जिस प्रकार से क्लीन चिट देने की होड़ राजनीतक संगठनों में लगी हुई है, उस पर पूर्ण विराम लगाने की आवश्यकता है। यह एक गंभीर स्थिति है कि इसी सदन में इस बात का खंडन होता है कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है और कल गृहमंत्री जी ने जवाब दिया कि वे लोग सेना के नहीं, बल्कि अर्द्ध सैनिक बलों के हैं। अगर वे अर्द्ध सैनिक बलों के हैं तो भी इसके लिए गृहमंत्री जी सीधे-सीधे जिम्मेदार होते हैं और इसके लिए गृहमंत्री जी को इस्तीफा देना चाहिए या उन्हें बर्खास्त किया जाना SÉÉÉÊcA[R14]।

महोदय, चाहे अर्द्धसैनिक बल हों जिसमें राट्रीय राइफल्स भी है। ये लोग भी जम्मू-कश्मीर के अंदर और देश की सीमा पर सुरक्षा कर रहे हैं। ऐसे संगठनों को भारत-बांग्लादेश सीमा पर भी तैनात किया गया है। अगर अगर इन अर्द्धसैनिक बलों में लश्करे तोइबा या अन्य आतंकवादी संगठनों के लोग हैं, तो यह राट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक संकेत है।

अध्यक्ष महोदय : कृपया रिपीट न करें।

योगी आदित्यनाथ : मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि गृह मंत्री जी के वक्तव्य की जांच होनी चाहिए। उन्होंने सदन को जो गुमराह किया है कि सेना के जवान नहीं हैं और इस प्रकार की स्थिति नहीं है, इसकी भी जांच होनी चाहिए। मैं एक अनुरोध और करना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : अब बहुत हो गया, और कोई अनुरोध न करें, क्योंकि आपने अपनी बात कह दी है। The hon. Minister wishes to respond.

योगी आदित्यनाथ : महोदय, इस समय देश में राजनीतिक संगठनों में जो यह होड़ लगी हुई है, कुछ लोग सिमी जैसे संगठनों को क्लीन चिट दे रहे हैं...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded.

(Interruptions) ... (Not recorded)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यह बहुत ही गंभीर मामला है।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आपने अपनी बात कह दी है।

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The hon. Minister wishes to respond and you should be happy about it. We have no time, and you have not given the notice in time. The hon. Minister is responding.

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Mr. Speaker, Sir, I would like to clarify one point. Hon. Member Rewati Raman Singh and Prof. Malhotra raised the issue about my denial of the matter which was referred to by the Leader of Opposition while making his observations. ... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are getting a response.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: That reference was in respect of two Indian Air Force personnel and not Army. Surely, the hon. Member will have to distinguish it. When hon. Rewati Raman Singh said that I misled the House, it is not misleading. That matter was related to August, 2005. Thereafter, we checked up and we found that the information was not correct. So, there is no contradiction.

In respect of the information relating to three Army personnel, it is correct. I have the preliminary information which is available with me and I can share it with you. These three persons, namely, Naik Mohd. Sharief Kalas of 4 Jammu and Kashmir Light Infantry, Lance Naik Shakeel Iqbal Kalas of 1 Jammu and Kashmir Light Infantry, and Rifleman Abdul Haq Kalas of 12 Jammu and Kashmir Light Infantry were arrested sometime in the month of June. Two overground terrorist workers were detained by the Police; when the Police started interrogating them, in the process of interrogation, the Jammu and Kashmir Constable was also detained. After further investigation, the names of these three persons came and they were detained. Home Minister has not misled the House, though they belong to the Jammu and Kashmir Rifles, presently, two are deployed in the Rashtriya Rifles, one is deployed in Jammu and Kashmir.

MAJ. GEN. (RETD.) B. C. KHANDURI (GARHWAL): So, they do not belong to the Army.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Of course, they belong to the Army.

MR. SPEAKER: He said that; let him clarify.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: General, you should not do that. Do not record anything.

(Interruptions) ...*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: I am not saying that. They are now serving in Rashtriya Rifles. Therefore, factually, it is not incorrect. They belong to the Army, but currently, they are now serving in Rashtriya Rifles. So, there is no question of misleading the House. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is very unfortunate. It does not look nice; you are a disciplined Member.

12.┌ Not Recorded

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : What about the Assam and Bangladesh issue?

MR. SPEAKER: He is not obliged to answer you now.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: I do not know why he is shouting, but when the hon. Member has referred to a matter, definitely, he will give some time to the Government to ascertain the facts, and after that, I will inform him.

MR. SPEAKER: Now, let us hear the Prime Minister. Please do not disturb.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : हम रक्षा मंत्री जी के बयान से सेंतुट नहीं हैं इसलिए हम सदन से वाकआउट करते हैं।

12.14 hrs.

(Shri Vijay Kumar Malhotra and some other Hon. Members then left the House)

अध्यक्ष महोदय : You have a right to go out, but do it without creating trouble. आप लोग बैठ VÉÉAÆ[R15]।